॥ अंगारकाष्टोत्तरशतनामावली ॥

मङ्गल बीज मन्त्र -
ॐ क्राँ क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः ॥

ॐ महीसुताय नमः ॥

ॐ महाभागाय नमः ॥

ॐ मङ्गलाय नमः ॥

ॐ मङ्गलप्रदाय नमः ॥

ॐ महावीराय नमः ॥

ॐ महाशूराय नमः ॥

ॐ महाबलपराक्रमाय नमः ॥

ॐ महारौद्राय नमः ॥

ॐ महाभद्राय नमः ॥

ॐ माननीयाय नमः ॥

ॐ दयाकराय नमः ॥

ॐ मानदाय नमः ॥

ॐ अपर्वणाय नमः ॥

ॐ क्रूराय नमः ॥

ॐ तापत्रयविवर्जिताय नमः ॥

ॐ सुप्रतीपाय नमः ॥

ॐ सुताम्राक्षाय नमः ॥

ॐ सुब्रह्मण्याय नमः ॥

ॐ सुखप्रदाय नमः ॥

ॐ वक्रस्तम्भादिगमनाय नमः ॥

ॐ वरेण्याय नमः ॥

ॐ वरदाय नमः ॥

ॐ सुखिने नमः ॥

ॐ वीरभद्राय नमः ॥

ॐ विरूपाक्षाय नमः ॥

ॐ विदूरस्थाय नमः ॥

ॐ विभावसवे नमः ॥

ॐ नक्षत्रचक्रसञ्चारिणे नमः ॥

ॐ क्षत्रपाय नमः ॥

ॐ क्षात्रवर्जिताय नमः ॥

ॐ क्षयवृद्धिविनिर्मुक्ताय नमः ॥

ॐ क्षमायुक्ताय नमः ॥

ॐ विचक्षणाय नमः ॥

ॐ अक्षीणफलदाय नमः ॥

ॐ चतुर्वर्गफलप्रदाय नमः ॥

ॐ वीतरागाय नमः ॥

ॐ वीतभयाय नमः ॥

ॐ विज्वराय नमः ॥

ॐ विश्वकारणाय नमः ॥

ॐ नक्षत्रराशिसंचाराय नमः ॥

ॐ नानाभयनिकृन्तनाय नमः ॥

ॐ वन्दारुजनमन्दाराय नमः ॥

ॐ वक्रकुञ्चितमूर्धजाय नमः ॥

ॐ कमनीयाय नमः ॥

ॐ दयासाराय नमः ॥

ॐ कनत्कनकभूषणाय नमः ॥

ॐ भयघ्नाय नमः ॥

ॐ भव्यफलदाय नमः ॥

ॐ भक्ताभयवरप्रदाय नमः ॥

ॐ शत्रुहन्त्रे नमः ॥

ॐ शमोपेताय नमः ॥

ॐ शरणागतपोषनाय नमः ॥

ॐ साहसिने नमः ॥

ॐ सद्गुणाध्यक्षाय नमः ॥

ॐ साधवे नमः ॥

ॐ समरदुर्जयाय नमः ॥

ॐ दुष्टदूराय नमः ॥

ॐ शिष्टपूज्याय नमः ॥

ॐ सर्वकष्टनिवारकाय नमः ॥

ॐ दुश्चेष्टवारकाय नमः ॥

ॐ दुःखभञ्जनाय नमः ॥

ॐ दुर्धराय नमः ॥

ॐ हरये नमः ॥

ॐ दुःस्वप्नहन्त्रे नमः ॥

ॐ दुर्धर्षाय नमः ॥

ॐ दुष्टगर्वविमोचनाय नमः ॥

ॐ भरद्वाजकुलोद्भूताय नमः ॥

ॐ भूसुताय नमः ॥

ॐ भव्यभूषणाय नमः ॥

ॐ रक्ताम्बराय नमः ॥

ॐ रक्तवपुषे नमः ॥

ॐ भक्तपालनतत्पराय नमः ॥

ॐ चतुर्भुजाय नमः ॥

ॐ गदाधारिणे नमः ॥

ॐ मेषवाहाय नमः ॥

ॐ मिताशनाय नमः ॥

ॐ शक्तिशूलधराय नमः ॥

ॐ शाक्ताय नमः ॥

ॐ शस्त्रविद्याविशारदाय नमः ॥

ॐ तार्किकाय नमः ॥

ॐ तामसाधाराय नमः ॥

ॐ तपस्विने नमः ॥

ॐ ताम्रलोचनाय नमः ॥

ॐ तप्तकाञ्चनसंकाशाय नमः ॥

ॐ रक्तकिञ्जल्कसंनिभाय नमः ॥

ॐ गोत्राधिदेवाय नमः ॥

ॐ गोमध्यचराय नमः ॥

ॐ गुणविभूषणाय नमः ॥

ॐ असृजे नमः ॥

ॐ अङ्गारकाय नमः ॥

ॐ अवन्तीदेशाधीशाय नमः ॥

ॐ जनार्दनाय नमः ॥

ॐ सूर्ययाम्यप्रदेशस्थाय नमः ॥

ॐ घुने नमः ॥

ॐ यौवनाय नमः ॥

ॐ याम्यहरिन्मुखाय नमः ॥

ॐ याम्यदिङ्मुखाय नमः ॥

ॐ त्रिकोणमण्डलगताय नमः ॥

ॐ त्रिदशाधिपसन्नुताय नमः ॥

ॐ शुचये नमः ॥

ॐ शुचिकराय नमः ॥

ॐ शूराय नमः ॥

ॐ शुचिवश्याय नमः ॥

ॐ शुभावहाय नमः ॥

ॐ मेषवृश्चिकराशीशाय नमः ॥

ॐ मेधाविने नमः ॥

ॐ मितभाषणाय नमः ॥

ॐ सुखप्रदाय नमः ॥

ॐ सुरूपाक्षाय नमः ॥

ॐ सर्वाभीष्टफलप्रदाय नमः ॥

॥ इति मङ्गल अष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णम् ॥

Propitiation of Mars (Tuesday)
CHARITY: Donate wheat bread, sweets made from sugar mixed with white sesamum seeds, or masoor dal (red lentils) to a celibate on Tuesday at noon.
FASTING: On Tuesdays, especially during Mars transits and major or minor Mars periods.
MANTRA: To be chanted on Tuesday, one hour after sunrise, especially during major or minor Mars periods:
RESULT: The planetary diety Mangala is propitiated increasing determination and drive, and protecting one from violence.

Transliteration and additional information by Dr . S . Kalyanaraman (kalyan97@yahoo.com);
Proofread by Detlef Eichler DetlefEichler (@at) gmx.net
More details at http://members.tripod.com/ navagraha

.. a.ngArakAShTottarashatanAmAvaliH ..
was typeset on August 2, 2016